

## कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा

**प्रासंगिकता:** जीएस-2: भारत के हितों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

**की वर्ड्स:** अधिकतम अवशेष सीमाएं, कीटनाशक अवशेष रिपोर्ट, गैर-टैरिफ बाधाएं, कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन, कीटनाशक अवशेषों पर कोडेक्स समिति, एकीकृत कीटनाशक प्रबंधन, प्रमाणित खेप, वैश्विक बाजारों में विश्वसनीयता

### चर्चा में क्यों?

हाल के महीनों में भारत के जीरे के निर्यात को झटका लगा है क्योंकि चीन ने दावा किया है कि कीटनाशकों के अवशेष लगभग छह महीने पहले उसके द्वारा बताई गई अधिकतम अवशेष सीमा (MRL) से अधिक हो गए हैं। चीनी अधिकारियों ने कहा है कि खेप के साथ कीटनाशक अवशेषों की रिपोर्ट अवश्य होनी चाहिए।

### मुख्य विचार:

- भारत यूरोपीय संघ और अमेरिका जैसे विकसित बाजारों में झींगा, चावल, मिर्च, भिंडी, आम और मूंगफली के अपने निर्यात के संबंध में इस समस्या का सामना कर रहा है।
- भारत के गरीब किसान अपनी फसलों की रक्षा के लिए अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग करने को मजबूर हैं।
- लेकिन एमआरएल प्रतिबंध अक्सर मनमाने होते हैं और विशेष रूप से यूरोपीय संघ और अमेरिका (एक प्रमुख बागवानी निर्यातक) द्वारा गैर-टैरिफ बाधाओं के रूप में तैनात किए जाते हैं।
- इसलिए, विश्व स्तर पर स्वीकृत 'कोडेक्स' मानकों से नीचे, एमआरएल को अनुचित रूप से निम्न स्तर पर संशोधित किया जाता है।

### भारतीय प्रमाणन मानकों की स्थिति क्या है?

- भारत के ताजे फलों का आयात, जो सालाना 15,000 करोड़ रुपये से अधिक है, इस तरह की जांच के अधीन नहीं हैं।
- यूरोपीय संघ और अमेरिका ने केवल इस क्षेत्र में अपने व्यापारिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रमाणन प्रक्रियाओं पर सवाल उठाया है।
- FSSAI मानकों को इस तरह के आयातों पर लागू होने के लिए लाया जाना चाहिए और यदि आवश्यक हो तो संशोधित किया जाना चाहिए।
- भारत को सभी देशों के मानकों में विसंगतियों को चुनौती देनी चाहिए।

### क्या आप कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC) के बारे में जानते हैं?

- सीएसी एक अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक निकाय है जिसे खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व

स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संयुक्त रूप से मई 1963 में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने और खाद्य व्यापार में उचित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपायों (एसपीएस) के आवेदन पर समझौता अंतरराष्ट्रीय व्यापार और व्यापार विवाद निपटान के लिए संदर्भ मानकों के रूप में कोडेक्स मानकों, दिशानिर्देशों और सिफारिशों को मान्यता देता है।
- वर्तमान में, कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन में 189 सदस्य देशों और 1 सदस्य संगठन (यूरोपीय संघ) से बने 189 कोडेक्स सदस्य हैं। भारत 1964 में कोडेक्स एलिमेंटेरियस का सदस्य बना।
- कोडेक्स खाद्य सुरक्षा के लिए मानक प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए खाद्य और फ़ीड फसलों में कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) निर्धारित करता है।
- FAO और WHO भी कीटनाशकों की गुणवत्ता के लिए मानक निर्धारित करने और उपभोक्ताओं और पर्यावरण को घटिया उत्पादों के उपयोग से बचाने के लिए कीटनाशक विनिर्देश विकसित करते हैं।
- कीटनाशकों में कोडेक्स की भूमिका:
- कीटनाशक अवशेषों पर कोडेक्स समिति (सीसीपीआर) विशिष्ट खाद्य पदार्थों में या अंतरराष्ट्रीय व्यापार में स्थानांतरित होने वाले खाद्य या फ़ीड के समूहों में कीटनाशक अवशेषों के लिए कोडेक्स अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) स्थापित करने के लिए जिम्मेदार है।
- कोडेक्स एमआरएल स्थापित करने से पहले खाद्य आपूर्ति सुरक्षित है यह सुनिश्चित करने के लिए मानव स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन किया जाना चाहिए।
- यह उपयुक्त विष विज्ञान और मुख्य रूप से पर्यवेक्षित परीक्षणों से प्राप्त आंकड़ों की समीक्षा करने के लिए कीटनाशक अवशेषों (जेएमपीआर) पर संयुक्त एफएओ/डब्ल्यूएचओ की बैठक की जिम्मेदारी है, जो "अच्छे कृषि अभ्यास" के अनुसार अनुमोदित कीटनाशक उपयोग को दर्शाता है।
- जेएमपीआर आहार संबंधी जोखिम का आकलन करता है और कोडेक्स समिति को विशिष्ट एमआरएल की सिफारिश करता है।

**भारत के लिए आगे की राह:**

### 1. खतरनाक कीटनाशकों और खरपतवारनाशी की समीक्षा करना:

- 2018 में, केंद्र ने भारत में कथित तौर पर उपयोग में आने वाले 100 में से 18 या विश्व स्तर पर प्रतिबंधित कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगा दिया।
- इसे इन विवादास्पद और खतरनाक कीटनाशकों और खरपतवारनाशी के उपयोग की निष्पक्ष रूप से समीक्षा करनी चाहिए, जबकि यह जानते हुए कि पैदावार और कटाई के बाद के नुकसान को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

### 2. कीटनाशक प्रबंधन पर कानून:

- कीटनाशक प्रबंधन पर प्रस्तावित नया कानून, जिसके तहत एक केंद्रीय प्राधिकरण कीटनाशकों के विपणन को अधिकृत करेगा और आदर्श रूप से समय-समय पर मंजूरी की समीक्षा करेगा, को ईमानदारी से लागू किया जाना चाहिए।

- यह भी विडंबना है कि कुछ सबसे बड़े कीटनाशक उत्पादक ईयू-आधारित हैं, और यूरोपीय संघ द्वारा घोषित प्रतिबंध विकासशील देशों में बिक्री को प्रभावित नहीं करते हैं।

### 3. संस्थागत क्षमता तंत्र:

- एकीकृत कीटनाशक प्रबंधन (आईपीएम) को लागू करने के लिए संस्थागत क्षमता की कमी को दूर करने की जरूरत है।
- मसालों और वस्तुओं के मामले में, संबंधित बोर्डों को खेपों को प्रमाणित करने का कार्य करना चाहिए।
- FSSAI की विनियमन क्षमता को बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि भारत के मसालों का निर्यात ₹25,000 करोड़ से अधिक है, जबकि ताजी सब्जियां और प्रसंस्कृत फल और जूस की राशि ₹10,000 करोड़ है।

### 4. एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम:

- जलगांव केले और रत्नागिरी अल्फांसो आम जैसे अद्वितीय कृषि उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए 'एक जिला एक उत्पाद' का निर्माण एमआरएल मानदंडों के साथ-साथ परीक्षण सुविधाओं पर विस्तार सेवाओं के साथ होना चाहिए।

### 5. सहकारिताओं को बढ़ावा देना:

- वैश्विक बाजारों के लिए निविष्टियों का पता लगाने की क्षमता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। यह तब आसान हो जाता है जब उत्पाद सहकारी समितियों, एफपीओ, या अनुबंध कृषि प्रणालियों के माध्यम से भेजा जाता है।

### निष्कर्ष:

- अंगूर और झींगे के निर्यात के संबंध में भारत ने वैश्विक बाजारों में विश्वसनीयता हासिल करने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। दोनों ही मामलों में, सही प्रक्रियाएँ लागू की गईं।
- बागवानी में भारत की निर्यात क्षमता काफी है, क्योंकि यह फल और सब्जियों का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन वैश्विक बागवानी निर्यात में 2 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी नहीं है।
- वैश्विक मानदंडों और व्यापार दबावों से निपटने में, इसे अपने उत्पादकों और उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

### प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

Q. कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सीएसी विश्व व्यापार संगठन द्वारा संयुक्त रूप से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने और खाद्य व्यापार में उचित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक निकाय है।
2. कोडेक्स खाद्य सुरक्षा के लिए मानक प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए खाद्य और फ्रीड फसलों में कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) निर्धारित करता है।

3. वर्तमान में, भारत कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन का सदस्य नहीं है।

गलत कथन का चयन करें:

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 1 और 3
- d) 1, 2, और 3

उत्तर: c

व्याख्या-

**कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (सीएसी)**

सीएसी एक अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक निकाय है जिसे खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संयुक्त रूप से मई 1963 में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने और खाद्य व्यापार में उचित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

वर्तमान में, कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन में 189 सदस्य देशों और 1 सदस्य संगठन (यूरोपीय संघ) से बने 189 कोडेक्स सदस्य हैं। भारत 1964 में कोडेक्स एलिमेंटेरियस का सदस्य बना।

कोडेक्स खाद्य सुरक्षा के लिए मानक प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए खाद्य और चारा फसलों में कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) निर्धारित करता है।

**मुख्य परीक्षा प्रश्न:**

Q. भारतीय निर्यात को विकसित देशों के बाजारों में उनके द्वारा निर्धारित अधिकतम अवशेष सीमा के कारण झटका लगा है। इसके आलोक में अपने विचार बताएं जिससे भारतीय निर्यात वैश्विक बाजारों में अपनी विश्वसनीयता वापस हासिल कर सके।

**स्रोत:** बिजनेस लाइन